ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो पर बड़ा अपडेट, 2 हिस्सों में होगा निर्माण

गुरुग्राम। ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो का निर्माण अगले छह महीने के अंदर शुरू होने की उम्मीद है। इसके तहत गुरुग्राम मेट्रो रेल लिमिटेड (जीएमआरएल) ने तैयारी शुरू कर दी है। मेट्रो का निर्माण दो हिस्सों में करने की योजना बनाई है। पहले हिस्से में मिलेनियम सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन से सेक्टर-नौ और सेक्टर-101 तक मेट्रो तैयार की जाएगी, दूसरे हिस्से में सेक्टर-नौ से लेकर साइबर सिटी तक मेट्रो का निर्माण होगा। फरवरी माह तक इन दोनों हिस्सों के तहत टेंडर आमंत्रित करने की योजना है।इस योजना को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में 24 दिसंबर को होने वाली बैठक में रखा जाएगा।

निर्माण पर 5452 करोड़ खर्च का अनुमान : जीएमडीए की योजना के मुताबिक, अगले चार साल के अंदर इस रूट पर मेट्रो का संचालन शुरू कर दिया जाएगा। मिलेनियम सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन से लेकर ओल्ड गुरुग्राम होते हुए डीएलएफ साइबर सिटी मेट्रो स्टेशन तक मेट्रो संचालन के लिए केंद्र और प्रदेश सरकार से मंजूरी मिल चुकी है। 28.5 किलोमीटर लंबे इस मेट्रो कॉरीडोर के निर्माण पर 5452 करोड़ रुपये का खर्चा आएगा, जिसके तहत 27 स्टेशन का निर्माण किया जाएगा।

आठ कंपनियों ने किए आवेदन : जीएमआरएल ने मेट्रो संचालन के मेट्रो स्टेशन का डिजाइन तैयार करने के लिए फ्रांस की एक कंपनी सिस्ट्रा को गत 14 अक्टूबर को काम आवंटित कर दिया है, जिसने अपना काम शुरू कर दिया है। गत 10 दिसंबर को सामान्य सलाहकार नियुक्त करने के तहत टेंडर खोले गए थे। इसमें आठ कंपनियों की तरफ से आवेदन किए हैं।

सलाहकार की होगी नियुक्ति : इस माह के अंत तक किसी एक कंपनी को इस योजना के तहत टेंडर आवंटित कर दिया जाएगा। मेट्रो संचालन के दौरान चल रहे कार्यों की जांच को लेकर एक सलाहकार नियुक्त किया जाएगा, जिसके तहत टेंडर आमंत्रित करने की प्रक्रिया को शुरू किया जा चुका है। दिसंबर माह के अंत तक इस टेंडर को आमंत्रित कर दिया जाएगा।

जल्द जारी होंगे टेंडर : जीएमआरएल की योजना के तहत फरवरी माह के अंतिम हफ्ते तक मेट्रो कॉरीडोर और स्टेशन के निर्माण के लिए टेंडर आमंत्रित कर दिया जाएगा। तीन से चार महीने के अंदर किसी एक कंपनी को टेंडर आवंटित कर दिया जाएगा। इसके बाद मेट्रो निर्माण का काम धरातल पर शुरू हो जाएगा।

अड़चनों को सुलझाएगी कमेटी : मेट्रो संचालन में आ रही अड़चनों को दूर करने के लिए 10 सदस्यीय एक कमेटी का गठन किया है। जमीन से जुड़ी दिक्कत, पानी, सीवर, सड़क और बरसाती नाले के अलावा बिजली केबल को स्थानांतरित करने के तहत इस कमेटी के सदस्य मिलकर काम करेंगे। ये सभी जीएमआरएल का सहयोग करेंगे। इस कमेटी में जीएमडीए, हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम, एचएसवीपी, दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम, एचएसआईआईडीसी, नगर निगम और एचएमआरटीसी के अधिकारी शामिल रहेंगे।

रेलवे स्टेशन में मेट्रो स्टेशन बनाने की योजना : मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में होने वाली बैठक में मेट्रो का सेक्टर-पांच से लेकर रेलवे स्टेशन तक विस्तार करने बारे में चर्चा की जाएगी। मेट्रो रूट के तहत सेक्टर-पांच में एक स्टेशन तैयार होना है। इसके एक किलोमीटर दूरी पर रेलवे स्टेशन है। भौंडसी से राजीव चौक होते हुए रेलवे स्टेशन तक मेट्रो प्रस्तावित है, लेकिन इसे बनने में अभी काफी समय लगेगा। ऐसे में अधिक से अधिक यात्रियों को मेट्रो का लाभ देने के लिए सेक्टर-पांच के बाद रेलवे स्टेशन में मेट्रो का नया स्टेशन बनाने की योजना है।

कहां-कहां बनाए जाएंगे मेट्रो स्टेशन? : ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो रूट के तहत सबसे पहले स्टेशन मिलेनियम सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन के बिल्कुल समीप बनाया जाएगा। 28.5 किलोमीटर लंबे मेट्रो रूट के निर्माण में करीब 5452 करोड़ रुपये का खर्चा आएगा। इसके तहत सेक्टर-45, साइबर पार्क, सेक्टर-47, सुभाष चौक, सेक्टर-48, सेक्टर-72ए, हीरो होंडा चौक, उद्योग विहार फेज छह, सेक्टर-10, सेक्टर-37सी, बसई, सेक्टर-101, सेक्टर-नौ, सेक्टर-सात, सेक्टर-चार, सेक्टर-पांच, अशोक विहार, सेक्टर-तीन, बजघेड़ा रोड, पालम विहार एक्सटेंशन, पालम विहार, सेक्टर-23ए, सेक्टर-22, उद्योग विहार फेज चार, उद्योग विहार फेज पांच, साइबर सिटी में मेट्रो स्टेशन बनाए जाएंगे।

देर रात तेजा खेड़ा फार्म हाउस पहुंचा पूर्व सीएम का पार्थिव शरीर

सिरसा एजेंसी। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और इनेलो प्रमुख ओमप्रकाश चौटाला का निधन हो गया है। गुरुग्राम मेदांता में अंतिम सांस ली। आज सिरसा के डबवाली में पूर्व मुख्यमंत्री का अंतिम संस्कार किया जाएगा। बीते दिन शुक्रवार देर रात लगभग 10 बजे डबवाली के तेजा खेड़ा फार्म हाउस में पूर्व मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला के पार्थिव शरीर को लाया गया। इस दौरान अभय चौटाला और उनके बेटे अर्जुन चौटाला मौजूद रहे। अर्जुन चौटाला दादा को निहारते दिखे।

अंतिम विदाई में सीएम सैनी व उपराष्ट्रपति होंगे शामिल : आज उनका पार्थिव शरीर अंतिम दर्शन के लिए सुबह 8 से 2 बजे तक सिरसा स्थित तेजा खेड़ा फार्म पर रखा जाएगा। दोपहर 3 बजे उनको मुखाग्नि दी जाएगी। अंतिम संस्कार में प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ भी शामिल होंगे।

ओपी चौटाला ऐसे नेता रहे जिनका मुख्यमंत्री का कार्यकाल 5 दिन से लेकर 5 साल तक का रहा। उनसे जुड़े कई रोचक किस्से भी मशहूर हैं। इसमें से एक किस्सा ये भी था कि ओपी चौटाला ने पहली बार चुनाव लड़ा और हार गए। इस बाद उन्होंने जिद्द पर अड़े रहे और चुनाव रद्द करवाकर दोबारा फिर से उपचुनाव कराया और जीत गए। साल 1968 में हरियाणा में विधानसभा के चुनाव हुए। ऐलनाबाद सीट से ओम प्रकाश चौटाला ने चुनाव लड़ा। पारंपरिक सीट होने की वजह से यहां के चुनाव में पूरे चौधरी परिवार ने ताकत झोंक दी, लेकिन चौटाला विशाल हरियाणा पार्टी के लालचंद्र खोड़ा से चुनाव हार गए। चुनाव हारने के बाद ओम प्रकाश चौटाला ने धांधली का आरोप लगाए। फिर वे हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक लड़े। आखिर में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद 1970 में ऐलनाबाद सीट पर उपचुनाव की घोषणा हुई। चौटाला यहां से उपचुनाव में उतरे और जीतकर पहली बार विधायक बने।प्रदेश की राजनीति में चौधरी ओमप्रकाश चौटाला का अपना नाम है। एक बार सबसे कम समय मुख्यमंत्री रहने वाले ओमप्रकाश चौटाला प्रदेश की राजनीति में कार्यकर्त्ताओं के बीच काफी लोकप्रिय रहे हैं। जींद उनकी राजनीतिक कर्म भूमि रहा है। हिसार से लोकसभा चुनाव लड़ने के अलावा वह जींद जिले की नरवाना विधानसभा सीट से विधायक बनकर मुख्यमंत्री भी बने और उन्होंने जींद जिले की उचाना विधानसभा सीट से भी विधानसभा में प्रतिनिधित्व किया। ओमप्रकाश चौटाला को हरियाणा की राजनीति में हलचल पैदा करने वाला नेता भी माना जाता है।

वह अक्सर अपने बोल्ड फैसलों के लिए जाने जाते हैं। हरियाणा के एकमात्र ऐसे मुख्यमंत्री रहे, जिन्हें जेल भी जाना पड़ा। उनके जेल जाने वाले मामले में खास बात यह भी है कि इसमें शिकायतकर्त्ता को भी उतनी ही सजा हुई, जितनी पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला को हुई।

हरियाणा में ठंड का प्रकोप: हिसार जिला रहा सबसे ठंडा...

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा में ठंड लगातार बढ़ती जा रही है। बीती रात को हिसार जिला सबसे ठंडा रहा। यहां न्यूनतम तापमान एक दिन पहले की तुलना में करीब 4 डिग्री तक नीचे गिर कर 2.5 एष्ट पर आ गया। इस बीच प्रदेश के कई क्षेत्रों में शनिवार सुबह कोहरा छाया रहा। हिसार में विजिबिलिटी 400 मीटर रही। मौसम विभाग ने 22 दिसंबर को कुछ स्थानों पर घने कोहरे का अलर्ट जारी किया है। प्रदेश में फिलहाल न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब है।

मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार रात को हरियाणा में न्यूनतम तापमान में 0.6 डिग्री सेल्सियस (एष्ट) की गिरावट दर्ज की गई। विभाग की की ओर से जिन स्थानों का तापमान जारी किया गया है, वहां लगभग सभी जगह ही तापमान गिरा है। प्रदेश में पांच जिलों में न्यूनतम तापमान 5 डिग्री से नीचे दर्ज किया गया।

रात के तापमान में सबसे ज्यादा गिरावट हिसार में दर्ज की गई है। यहां बालसमंद का पारा 3.8 डिग्री गिर गया। कुरुक्षेत्र में तापमान 2.2 डिग्री तक गिरा है। रात को सबसे अधिक तापमान पलवल में 9.8 डिग्री रहा। रात को हिसार में तापमान 3.9 डिग्री रहा, वहीं महेंद्रगढ़ के नारनौल में यह 3.8 डिग्री रहा।

डेरा प्रमुख गुरमीत राम रहीम को झटका, नपुंसक बनाने के मामले में केस डायरी नहीं मिलेगी

चंडीगढ़। साधुओं को ईश्वर से मिलवाने के नाम पर नपुंसक बनाने के मामले में केस डायरी डेरा मुखी गुरमीत राम रहीम को सौंपने के सीबीआई स्पेशल कोर्ट के फैसले को पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट ने रद कर दिया है। पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट ने मामला दोबारा सीबीआइ स्पेशल कोर्ट को भेजते हुए नये सिरे से इस पर निर्णय लेने का आदेश दिया है। सीबीआइ ने 2019 में पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट में याचिका दाखिल करते हुए पंचकूला स्थित सीबीआइ की विशेष अदालत के फैसले को चुनौती दी थी।

सीबीआइ कोर्ट ने डेरा प्रमुख को अपना बचाव तैयार करने के लिए यह केस डायरी, गवाहों के बयान और अन्य दस्तावेज उपलब्ध करवाने का आदेश दिया था।

हाई कोर्ट ने ही डेरे में साधुओं को नपुंसक बनाने के मामले की जांच सीबीआइ को सौंपने का आदेश दिया था। सीबीआइ ने मामले की जांच कर हाई कोर्ट में सीलबंद स्टेटस रिपोर्ट दे दी थी। यह केस अब पंचकूला की सीबीआइ ट्रायल कोर्ट में चल रहा है। ट्रायल कोर्ट ने 2019 में डेरा मुखी की एक अर्जी पर इस मामले की केस डायरी उसे सौंपने का सीबीआइ को आदेश दिया था। सीबीआइ ने इसी आदेश को हाई कोर्ट में चुनौती दी थी।

87 गवाहों की गवाही डेरा प्रमुख को सौंपना का औचित्य नहीं

हाई कोर्ट ने कहा कि सीबीआइ की विशेष अदालत का यह आदेश गलत था। पुलिस को दिए गए बयानों की कोई अहमियत नहीं होती है, ऐसे में 87 गवाहों की गवाही डेरा प्रमुख गुरमीत राम रहीम को सौंपने का कोई औचित्य नहीं है।

स्पेशल कोर्ट ने आदेश जारी करते हुए इस बात पर गौर नहीं किया कि जो दस्तावेज मांगे जा रहे हैं असल में उनको उपलब्ध करवाने का औचित्य क्या है।

पंजाब-हरियाणाहाई कोर्ट ने इसे फिशिंग इंक्वायरी करार दिया, जो कानून के अनुसार अस्वीकार्य है। ऐसे में अब हाईकोर्ट आदेश को रद करता है और मामला दोबारा सीबीआइ कोर्ट को भेजता है ताकि इन तथ्यों पर विचार करके नए सिरे से निर्णय लिया जाए।

बेखौफ कर्मचारी...मरीज परेशान, मनमर्जी से लेबर रूम छोड़ रहे कर्मचारी

जींद एजेंसी। स्वास्थ्य विभाग के उच्चाधिकारियों की मिलीभगत से कर्मचारियों के लिए आने-जाने का कोई समय निर्धारित नहीं है। कर्मचारी बेखौफ होकर लेबर रूम जैसे अति संवेदनशील एरिया को छोड़कर नदारद हो रहे हैं। कर्मचारियों की इस लापरवाही का खामियाजा आमजन तथा गर्भवती महिलाओं को भुगतना पड़ रहा है।

ऐसा ही नजारा शुक्रवार को पी.एच.सी. नगूरां के लेबर रूम में देखने को मिला, जहां पीएचसी प्रभारी की बिना परमिशन के लेबर रूम जैसे अति संवेदनशील एरिया को छोड़कर एक महिला कर्मचारी डैपूटेशन पर अन्य सीएचसी पर गई। एक महिला कर्मचारी के भरोसे पर छोड़कर नियमों के विपरीत पीएचसी के बाहर अपने कामों में व्यस्त दिखाई दी। हालांकि नगूरां पी.एच.सी. प्रभारी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए दोनों कर्मचारियों से स्पष्टीकरण मांगने की बात कही है। नगूरां तथा आसपास गांव के ग्रामीण मनोज, राजेश, जोगिंद्र, विकास, चरण सिंह के अलावा पंच सुदेश, भूप सिंह आदि ने बताया कि प्रदेश के पूर्व सीएम मनोहर लाल ने खट्टर ने लगभग 10 साल पहले

नगूरां गांव में पीएचसी के निर्माण करवाने की घोषणा की थी।

इसी घोषणा के चलते स्वास्थ्य विभाग ने पंचायत की मांग पर नगूरां गांव में पीएचसी के निर्माण के साथ-साथ मार्च 2024 में डिलीवरी हट की स्थापना कर दी। लेकिन पी.एच.सी. डिलीवरी हट की शुरूआत के साथ ही विवादों में आ गई। इसके लिए पी.एच.सी. में कई बार मरीजों तथा स्टाफ में आपस में कहासुनी भी देखने को मिली। उन्होंने कहा कि पंचायत शुरू से ही लेबर रूम में तैनात स्टाफ की कार्यप्रणाली का विरोध भी करती आ रही है, लेकिन उसके बावजूद भी स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी मामले को लेकर पंचायत की बातों पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। अधिकारियों की मिलीभगत से कर्मचारी बेखौफ होकर पीएचसी से समय से पहले नदारद हो रहे हैं, जिसके कारण गर्भवती महिलाओं की जान जोखिम में आ सकती है।

...अंकल भाई-बहन फंसे हैं, रोहतक के ओमैक्स सिटी में चार सिलेंडर व एसी कंप्रेसर में ब्लास्ट, 6 फ्लैट जले

रोहतक एजेंसी। शहर के ओमैक्स सिटी के एक फ्लैट में शुक्रवार को दोपहर बाद करीब साढ़े तीन बजे चार सिलेंडर व एसी कंप्रेसर में ब्लास्ट हो गया। जिसके बाद आग की चपेट में कुल छह फ्लैट आ गए।

आग लगने की सूचना मिलते ही प्रशासन व स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया। जिसके बाद मौके पर उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा व एसडीएम आशीष कुमार पहुंच गए। लोगों ने अपने स्तर पर भी आग बुझाने का प्रयास किया और दमकल विभाग को सूचित किया।

आठ दमकल की गाड़ियों ने तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद शाम करीब साढ़े छह बजे आग पर काबू पाया। इस हादसे में फ्लैट में रखा सामान जल गया। गनीमत रही कि हादसे में किसी जान को कोई खतरा नहीं हुआ।

ओमैक्स सिटी सोसाइटी के मैनेजर तरुण के अनुसार फ्लैट नंबर 527 ग्राउंड फ्लोर में रखे चार सिलेंडर में ब्लास्ट हो गया। इस फ्लैट को सोसाइटी के साथी राजेश दुआ को ही किराये पर दे रखा था, जो शुक्रवार को परिवार के साथ दिल्ली गया था।

आग ने आसपास के छह फ्लैट को चपेट में ले लिया। जिसके बाद राहत बचाव का कार्य किया गया और दमकल विभाग की मदद से आग पर काबू पा लिया गया।

ऐसे लगी आग : सबसे पहले फ्लैट नंबर 527 में रखे चार सिलेंडर में ब्लास्ट हो गया। जिसके कारण इसी फ्लैट के प्रथम व द्वितीय फ्लोर तक आग चली गई। इसके बाद ठीक पीछे 535 द्वितीय फ्लोर, 536 ग्राउंड व प्रथम फ्लोर पर आग चली गई। इस तरह इन

सभी फ्लैट का सामान जल गया।

जान पर खेलकर बचाई जिंदगी : आग लगने से आसपास के लोग दहशत में आ गए। इस दौरान सोसाइटी के अकाउंटेंट नितिन ने जान पर खेलकर तीन बच्चों की जान बचाई। दोपहर बाद करीब सवा तीन बजे नितिन ऑफिस के काम में लगा था। तभी फ्लैट नंबर 527 द्वितीय फ्लोर से एक किशोरी भागती हुई आई और रोती हुई बोली कि अंकल फ्लैट में आग लग गई, मेरे भाई-बहन फंसे हैं। नितिन ने तुरंत सभी फ्लैट के बिजली कनेक्शन काट दिए व ऊपर गया और वहां से करीब नौ वर्षीय व 10 वर्षीय बच्चे को गोद में उठाकर बाहर निकाला। उन्होंने अपनी जान पर खेलकर बच्चों को बचा लिया। हादसे में नितिन बुरी तरह झुलस गया।

उन्हें पीजीआइ के ट्रामा सेंटर में दाखिल करवाया गया। जहां उनका उपचार चल रहा है। घायल नितिन ने जागरण संवाददाता को बताया कि वह शहर के अप्रोच रोड महाजन पड़ाव का रहने वाला है।

बच्चों को बचाने के लिए जिस फ्लैट में आग लगी थी, उसका दरवाजा खोला तो एकदम से सिलेंडर ब्लास्ट हो गए। जिसके बाद वह काफी दूर जाकर गिर गया। इस दौरान मुंह व सिर के बाल जल गए और हाथ भी झुलस गए।

दमकल विभाग की टीम ने बहाया पसीना : ओमैक्स सिटी के फ्लैट में लगी भयानक आग को देखते हुए दमकल विभाग की टीम ने भी तुरंत पहुंच गईं। सेक्टर-5, सिटी दमकल केंद्र, सांपला और महम से भी गाड़ियां मंगाई गईं। इसी तरह से बहादुरगढ़ से भी गाड़ी मंगाई। झज्जर और गुरुग्राम से गाड़ियां मंगाने के लिए वार्ता हुई थी और आधे रास्ते से उन्हें वापस किया गया।

दरअसल, फ्लैट में आग लगी होने के कारण हाइड्रोलिक प्लेटफार्म वाली गाड़ी गुरुग्राम से मंगाई गई थी, यह गाड़ियां एक साथ दो आती हैं। क्योंकि एक पर कर्मचारी खड़े होते हैं और दूसरी गाड़ी सटाकर खड़ी की जाती है, जिससे प्लेटफार्म या फिर अन्य तकनीकी खराबी से कर्मचारियों के साथ हादसा न हो सके। हालांकि शाम चार बजे से शाम सात बजे तक कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

मुख्यमंत्री उड़नदस्ते ने अनाज मंडी में मारा छापा, धान की करीब 1001 बोरियां मिलीं सरकारी रिकार्ड से नदारद

जींद एजेंसी। मुख्यमंत्री उड़नदस्ते ने अपनी छापामार कार्रवाई के अंतर्गत लगातार 5 घंटे नई अनाज मंडी की लगभग आधा दर्जन दुकानों सहित मार्कीट कमेटी के रिकॉर्ड को खंगाला तो इस दौरान उन्हें 1 हजार से अधिक धान से भरी बोरियां सरकारी रिकॉर्ड से नदारद मिली तो वहीं आढ़तियों का रजिस्टर नॉन-मैंटेन मिला, जिस पर मुख्यमंत्री उड़नदस्ते ने अनाज मंडी के 2 आढ़तियों से लगभग 18,000 रुपए जुर्माना व लगभग 50,000 रुपए मार्कीट फीस सहित एच.आर.डी.एफ. राशि भरवाई।

प्रातः करीब सवा 10 बजे मुख्यमंत्री उड़नदस्ते के इंस्पैक्टर सतपाल सिंह, ए.एस.आई. चरणसिंह व नरेश कुमार अपने साथ हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड जींद के जिला विपणन प्रवर्तन अधिकारी अभिनव वालिया सहित उनके स्टाफ को लेकर मार्कीट कमेटी कार्यालय पहुंचे, जहां पहुंचकर उन्होंने कमेटी कर्मचारियों के उपस्थिति रजिस्टर का अवलोकन कर सभी कर्मचारियों की उपस्थिति का मिलान कर इसकी जांच की। सभी कार्यालयकर्मी मौके पर उपस्थित पाए गए तो उसके साथ ही उन्होंने मार्कीट कमेटी सचिव संजीव कुमार जांगड़ा को भी अपने साथ लिया और अनाज मंडी की लगभग 7 दुकानों पर लगे धान की बोरियों के स्टैग चैक किए।

इस दौरान उन्हें मंडी की दुकान न. 82 व 114 पर एक ही

आढ़ती की करीब 1001 धान से भरी बोरियां किसी सरकारी रिकॉर्ड के स्टॉक रजिस्टर सहित अन्य सभी प्रकार के रिकॉर्ड में दर्ज नहीं मिली, जिनकी मार्कीट फीस व एच.आर.डी.एफ. राशि की चोरी की गई थी। इस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्यमंत्री उड़नदस्ते ने संबंधित आढ़ती से धान से भरी इन बगैर रिकॉर्ड की करीब 1001 बोरियों की करीब 50,050 रुपये की मार्कीट फीस व एच.आर.डी.एफ. राशि3 भरवाई तथा उक्त आढ़ती से करीब 13,000 रुपए जुर्माना राशि के रूप में वसूल किए।

इसके अलावा दुकान नंबर 174 पर छापामारी के दौरान मुख्यमंत्री उड़नदस्ते के अधिकारियों को फसल स्टॉक करने का स्टॉक रजिस्टर मैनटेन न मिलने पर उक्त आढ़ती से 5,000 रुपये जुर्माना राशि के तौर पर वसूल किए। मुख्यमंत्री उड़नदस्ता करीब सवा 3 बजे तक अनाज मंडी व मार्कीट कमेटी कार्यालय में रहा, जिसके जाने के बाद मार्कीट कमेटी अधिकारियों, कर्मचारियों व आढ़तियों ने राहत की सांस ली अन्यथा एक बार तो सभी की सांसें अटक कर रह गई थी कि न जाने मुख्यमंत्री उड़नदस्ता क्या कार्रवाई करेगा और किस किस पर इस उड़नदस्ते की गाज किस प्रकार गिरेगी।

छापामारी के दौरान मार्कीट कमेटी कर्मचारियों व आढ़तियों में मचा हड़कंप : मुख्यमंत्री उड़नदस्ते द्वारा मंडी में छापामारी की खबर फैलते देर नहीं लगी और यह पूरी अनाज मंडी में आग की तरह फैली हुई थी, जिससे इस दौरान मार्कीट कमेटी कर्मचारियों सहित अनाज मंडी के आढ़तियों में हड़कंप मचता दिखाई और सभी आढ़ती आनन फानन में अपनी दुकानों के समक्ष पड़े धान के ढेरों व बोरियों को बोली रजिस्टर सहित स्टॉक रजिस्टरों में दर्ज करते और किसानों की फसलों के गेटपास कटवाते नजर आए।

स्वयं मुख्यमंत्री उड़नदस्ते के छापामार दस्ते सहित मार्कीट कमेटी के अधिकारी, कर्मचारी व आढ़ती सभी दबी जुबान में इसे किसी मंडी के ही व्यक्ति द्वारा शिकायत करने पर यह छापामारी होने की बात कहते दिखाई दे रहे थे। जब तक मुख्यमंत्री उड़नदस्ते के अधिकारी मार्कीट कमेटी कार्यालय के भीतर रहे तब तक सभी कमेटी कर्मचारी अधिकतर समय कार्यालय इमारत से बाहर ही कार्यालय प्रांगण में खड़े देखे गए।

अनाज मंडी में हुई धान की बोली : मुख्यमंत्री उड़नदस्ते की अनाज मंडी सहित मार्कीट कमेटी कार्यालय में छापामारी के दौरान शुक्रवार को तुर्ताफुर्ती में आढ़तियों द्वारा धान की बोली शुरू करवाई गई, जो औपचारिकता के तौर पर कुछ ही देर चल पाई अन्यथा मंडी में बिना बोली के ही किसानों की धान सीधे ही मोल-भाव लगाकर खरीदी जा रही थी और मुख्यमंत्री उड़नदस्ते के मंडी से प्रस्थान करने के साथ ही दोबारा बोली बंद कर अन्य दिनों की भांति मोल-भाव लगाकर ही धान की खरीद-फरोख्त कर इसे बोली रजिस्टरों में दर्ज किया गया।

2 आढ़तियों के रिकॉर्ड में मिली खामियां-संजीव : मार्कीट कमेटी सचिव संजीव कुमार जांगड़ा ने बताया कि मुख्यमंत्री उड़नदस्ते ने सुबह करीब सवा 10 से सायं 3 बजे तक करीब 5 घंटे तक अनाज मंडी व मार्कीट कमेटी कार्यालय में रहकर कमेटी कर्मचारियों की व उनकी हाजिरी चैक की और मंडी में करीब 7 आढ़तियों की दुकानों पर जाकर उनका फसल का रिकार्ड व स्टॉक जांचा। इस दौरान मंडी के केवल 2 आढ़तियों के रिकार्ड में उन्हें अनियमितता एवं खामियां मिलीं और स्टॉक सहित स्टॉक रजिस्टर का सही रखरखाव न मिलने पर अनरिकार्डिड लगभग 1001 बोरियों की मार्कीट फीस व एच.आर.डी.एफ. राशि सहित जुर्माना राशि भरवाई।